सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 7 ● अंकः 317 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 24 दिसम्बर, 2021

अगर आप तेजी से चलना चाहते हैं तो अकेले चलिए। लेकिन अगर आप दूर तक चलना चाहते हैं तो साथ मिलकर चलिए।

-रतन टाटा

लखनऊ में जल्द शुरू होगा ब्रह्मोस... 8
अब भाजपा की नजर दूसरे दल... 3
अयोध्याः सड़क हादसे में तीन... 7

चुनाव से पहले दिखने लगा कोरोना की नयी लहर का खतरा

फिर लगीं पाबंदियां, यूपी में कल से नाइट कर्फ्यू

» शादी में 200 से ज्यादा लोगों को इजाजत नहीं, नए निर्देश जारी

» यूपी की सीमा में आने वाले हर एक व्यक्ति की होगी ट्रेसिंग-टेस्टिंग

» सार्वजनिक स्थलों पर मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग अनिवार्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पांच राज्यों में होने वाले विधान सभा चुनाव से पहले कोरोना की रफ्तार तेज होने लगी है। देश में कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन की रफ्तार को देखते हुए विशेषज्ञ भी अब तीसरी लहर की आशंका जताने लगे हैं। लिहाजा एक बार फिर पांबदियों का दौर शुरू हो गया है। ओमिक्रॉन के मद्देनजर योगी सरकार ने प्रदेश में शनिवार यानी 25 दिसंबर से नाइट कर्फ्यू रात 11 बजे से लेकर सुबह 5 बजे तक लगाने का फैसला किया है। वहीं शादी समारोह में दो सौ से अधिक लोगों को शामिल होने की इजाजत नहीं मिलेगी। सार्वजनिक स्थलों पर मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग को भी अनिवार्य कर दिया गया है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने टीम-नाइन को निर्देश दिए हैं कि वे बाजारों में मास्क नहीं तो सामान नहीं के संदेश के साथ व्यापारियों को जागरूक करें। सड़कों और बाजारों में हर किसी के लिए मास्क अनिवार्य किया जाए। पुलिस लगातार गश्त करे। देश के किसी भी राज्य अथवा विदेश से उत्तर प्रदेश की सीमा में आने वाले हर एक व्यक्ति की ट्रेसिंग-टेस्टिंग की जाए। बस, रेलवे और एयरपोर्ट पर अतिरिक्त सतर्कता बरती जाए। तीसरी लहर को देखते हुए गांवों और शहरी वार्डों में निगरानी समितियों को पुनः सक्रिय किया जाए। औद्योगिक इकाइयों में कोविड हेल्प डेस्क और डे केयर सेंटर एक्टिव करें। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, पुडुचेरी और केरल में चुनाव के बाद कोरोना के मामले तेजी से बढ़े थे। कोर्ट ने चुनाव आयोग से संक्रमण के बीच चुनाव कराने के लिए जवाब भी मांगा था। अब यूपी सहित पांच राज्यों में होने वाले विधान सभा चुनाव से पहले कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन के जिस तरह से मामले सामने आ रहे हैं, उससे साफ है कि चुनाव पर कोरोना की नयी लहर का खतरा मंडराने लगा है।

फरवरी में पीक पर होगी तीसरी लहर

आईआईटी कानपुर की स्टडी में ओमिक्रॉन को लेकर बड़ा दावा किया गया है। आईआईटी कानपुर की स्टडी के मुताबिक, भारत में कोरोना की तीसरी लहर फरवरी में अपने पीक पर होगी। शोधकर्ताओं के मुताबिक, देश में अगले साल तीन फरवरी को तीसरी लहर पीक पर होगी। शोधकर्ताओं ने तीसरी लहर की भविष्यवाणी करने के लिए गौसियन मिक्सचर मॉडल नाम के सांख्यिकीय उपकरण का इस्तेमाल किया है।

देश में 358 हुए ओमिक्रॉन संक्रमित

देश में ओमिक्रॉन के कुल मामलों की संख्या 358 हो गई है। महाराष्ट्र में 88, दिल्ली में 67, तेलंगाना में 38, तमिलनाडु में 34, कर्नाटक में 31, गुजरात में 30, केरल में 27, राजस्थान में 22, हरियाणा-ओडिशा में चार-चार, जम्मू-कश्मीर और पश्चिम बंगाल में तीन -तीन, आंध्र प्रदेश और यूपी में दो-दो, चंडीगढ़, लद्दाख और उत्तराखंड में एक-एक केस मिले हैं।

दिल्ली समेत छह राज्यों में भी लगी रोक

दिल्ली में क्रिसमस-न्यू ईयर पर होने वाले पब्लिक सेलिब्रेशन पर रोक लगा दी गई है। महाराष्ट्र में क्रिसमस और न्यू ईयर के पब्लिक सेलिब्रेशन की नई गाइडलाइंस जारी की हैं। तेलंगाना के गांव में 10 दिन का लॉकडाउन लगाया गया है। कर्नाटक में न्यू ईयर के जश्न पर रोक लगा दी गयी है जबकि तमिलनाडु में सेलिब्रेशन के लिए वैक्सीनेशन जरूरी किया गया है। वहीं ओडिशा में भी न्यू ईयर पार्टियों पर रोक लगा दी गयी है।

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

चुनाव टालने पर विचार करे सरकार : हाईकोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के विधान सभा चुनाव से पहले कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन के बढ़ते संक्रमण को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने चिंता जताई है। न्यायमूर्ति शेखर कुमार ने प्रधानमंत्री और चुनाव आयुक्त से अनुरोध किया है कि विधान सभा चुनाव में कोरोना की तीसरी लहर से जनता को बचाने के लिए राजनीतिक पार्टियों की चुनावी रैलियों पर रोक लगाई जाए। उनसे कहा जाए कि वे चुनाव प्रचार दूरदर्शन और समाचार पत्रों के माध्यम से करें। प्रधानमंत्री चुनाव टालने पर भी विचार करें क्योंकि जान है तो जहान है। न्यायमूर्ति शेखर कुमार ने जेल में बंद आरोपी संजय यादव की जमानत पर सुनवाई के दौरान यह अपील की। हाईकोर्ट ने कहा कि संभव हो सके तो फरवरी में होने वाले चुनाव को एक-दो माह के लिए टाल दें क्योंकि जीवन रहेगा तो चुनावी रैलियां, सभाएं आगे भी होती रहेंगी। जीवन का अधिकार हमें भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 में भी दिया गया है। हाईकोर्ट ने कहा कि दैनिक समाचार पत्रों के अनुसार 24 घंटे में 6 हजार नए मामले मिले हैं। 318 लोगों की मौतें हुई हैं। यह समस्या हर दिन बढ़ती जा रही है। इस महामारी को देखते हुए चीन, नीदरलैंड, आयरलैंड, जर्मनी, स्कॉटलैंड जैसे देशों ने पूर्ण या आंशिक लॉकडाउन लगा दिया है।

कोरोना से निपटने को तैयार आयोग, हालात की करेगा समीक्षा

उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधान सभा चुनाव पर कोरोना का संकट गहराने लगा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को यूपी में चुनाव टालने का सुझाव दिया है। इस पर मुख्य चुनाव आयुक्त सुशील चंद्रा ने कहा कि वे अगले हफ्ते स्थिति का जायजा लेने के लिए उत्तर प्रदेश जा रहे हैं। इसके बाद स्थिति की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि आयोग कोरोना से निपटने के लिए तैयार है और सारी तैयारियां हो चुकी हैं।

सुप्रीम कोर्ट से चुनावी रैलियों पर रोक लगाने की मांग

नई दिल्ली। बढ़ते कोरोना संक्रमण के बीच अगले साल देश के पांच राज्यों में विधान सभा चुनाव होने हैं। इन्हें लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है। याचिका में मांग की गई है कि कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन के बढ़ते खतरे को देखते हुए 5 राज्यों में होने वाले चुनावों के मद्देनजर वहां होने वाली राजनीतिक रैलियों पर रोक लगाई जाए। याचिका में कहा गया है कि चुनाव आयोग की ओर से राजनीतिक रैलियों को लेकर जो आदेश दिया गया है, उसका पालन नहीं हो रहा है। यह याचिका सुप्रीम कोर्ट में वकील विशाल तिवारी ने दाखिल की है।

भाजपा सरकार में जनता को मिल रही सबसे महंगी बिजली : अखिलेश

» सपा के प्रस्तावित विद्युत प्लांट को भी नहीं बनाया सरकार ने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक बार फिर भाजपा पर हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि भाजपा सरकार में प्रदेशवासी देश की सबसे महंगी बिजली खरीदने को मजबूर हैं। साथ ही उन्होंने वादा किया कि प्रदेश में सपा की सरकार बनने पर बिजली दरों को सस्ता किया जाएगा।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आज ट्वीट किया, सपा सरकार में एटा व अन्य जिलों में प्रस्तावित बिजली के प्लांट अगर बन गये होते तो आज उप्र के लोगों को देश की सबसे महंगी बिजली नहीं खरीदनी पड़ती। उन्होंने आगे लिखा, सपा सरकार आने पर खेती, घरेलू बिजली, उद्योग व कारोबार को उम्मीद से ज़्यादा राहत और नियमित सस्ती बिजली देने का संकल्प हम दोहराते हैं। गौरतलब है कि विधान सभा चुनाव से पहले सपा प्रमुख ने खुद मोर्चा संभाल लिया है और वे छोटे दलों के साथ मिलकर भाजपा को चुनावी जंग में चित करने में जुटे हुए हैं। वे रैलियों में लगातार भाजपा पर प्रहार कर रहे हैं। पिछले दिनों एक रैली में उन्होंने कहा था कि समाजवादी सरकार के अच्छे कामों पर अपना नामपट्ट लगाने और रंग बदलने के अलावा भाजपा सरकार ने कोई ठोस जनहित का काम नहीं किया। समाजवादी सरकार में कन्या विद्याधन और मेधावी छात्राओं को लैपटॉप देकर उनका भविष्य संवारने का काम हुआ था। छात्राओं को 30-30 हजार रुपए की धनराशि दी गई और बच्चों को मिड-डे-मील में फल-दूध दिया गया। 55 लाख गरीब महिलाओं को प्रतिवर्ष छह हजार रुपये की पेंशन दी गई थी। संगठन व सरकार के तमाम पदों पर महिलाओं को वरीयता दी गई थी। पंचायतों में महिला आरक्षण समाजवादी सरकार की ही देन है।

सपा की सरकार बनी तो जनता को देंगे सस्ती बिजली

भाजपा सरकार नहीं होती तो प्रदेश लुट जाता : केशव मौर्य

» डिप्टी सीएम ने कहा- राम मंदिर का मुद्दा हमारी आस्था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि यदि सपा, बसपा, रालोद व कांग्रेस की सरकार होती तो ये प्रदेश को लूट लेते। पहले इनकी सरकारों में गरीबों, मजदूरों, किसानों की योजनाओं को लूटा गया, जबकि अब भाजपा सरकार में लूट-घसोट नहीं होती है। प्रदेश का विकास ही भाजपा का चुनाव में सबसे पहला मुद्दा है। सभी विपक्षी दल मिलकर चुनाव लड़ेंगे, तब भी नहीं जीत सकेंगे।

उपमुख्यमंत्री जन विश्वास यात्रा के आगमन पर बड़ौत के जनता वैदिक कॉलेज में रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा के विरोधी दल आपस में तालमेल करके चुनाव लड़ रहे हैं। यदि सभी विपक्षी दल गठबंधन करके भी भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे, तब भी नहीं जीत पाएंगे। अखिलेश यादव मुख्यमंत्री बनने के मुंगेरीलाल जैसे सपने देख रहे हैं। अगर वे 2017 के चुनाव में मिली 47 सीट भी

इस बार जीत लेंगे तो यह उनका सौभाग्य होगा। अखिलेश यादव यूपी में 400 सीटें जीतने का दावा कर रहे थे, लेकिन जब एक इनकम टैक्स का छापा पड़ा तो उनके करीबियों के यहां 400 करोड़ रुपए की गड़बड़ी पकड़ी गई है। उन्होंने कहा कि उनके राज में कांवड़ यात्रा के दौरान पत्थर बरसाए जाते थे और अब फूल बरसाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि यूपी में 60 प्रतिशत वोट अकेले भाजपा का है, जबकि 40 प्रतिशत वोट के लिए विपक्ष लड़ रहा है। बल्कि विपक्ष के 40 प्रतिशत वोट में भी भाजपा की सेंधमारी है। विधानसभा चुनाव में भी प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 300 से अधिक सीटों पर जीत होगी। डिप्टी सीएम ने कहा श्री राम मंदिर का मुद्दा हमारी आस्था है और यह आगे भी मजबूत होती चली जाएगी।

पहले छह घंटे बिजली मिलती थी, अब 24 घंटे

उप-मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भाजपा सरकार की उपलब्धियां भी गिनाईं। कहा कि जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 को 70 मिनट में समाप्त कर दिया। कहा कि देश के किसानों के लिए दो लाख करोड़ रुपये किसान सम्मान निधि दी। पहले प्रदेश में मात्र पांच से छह घंटे बिजली मिलती थी, लेकिन अब 24 घंटे मिलती है। उप-मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि वर्ष 2022 का चुनाव फिर आ गया है। वर्ष 2014 में कमल खिलाया, वर्ष 2017 में कमल खिलाया, वर्ष 2019 में सपा, बसपा, रालोद तीनों एक हो गए, लेकिन फिर भी 64 सांसदों ने यूपी में कमल खिलाया। इस बार भी कमल खिलाना है।

राम के नाम पर भाजपा ने हड़प ली दलितों की जमीन : प्रियंका गांधी

» मंदिर को लेकर धर्म के साथ आस्था और विश्वास को भी बेचा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रामनगरी अयोध्या में बने रहे भव्य राम मंदिर के पास के क्षेत्र में नामचीन लोगों के जमीन की खरीद में घोटाले के प्रकरण पर कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर जोरदार हमला बोला है। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भारतीय जनता पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए। प्रियंका गांधी ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए ट्रस्ट की ओर से खरीदी गई जमीन के चंदे में घपले और भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट से इसकी निष्पक्ष जांच कराने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा देश के करोड़ों लोगों ने मंदिर निर्माण के लिए अपनी गहरी आस्था और भावना के साथ चंदा दिया। लेकिन जमीन खरीद में घोटाला कर आस्था को चोट पहुंचाई गई है।

प्रियंका गांधी ने कहा चूंकि राम मंदिर का निर्माण सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर हो रहा है, इसलिए सर्वोच्च अदालत को स्वत: संज्ञान लेकर इसकी जांच करानी चाहिए। उन्होंने कहा कि मंदिर निर्माण के लिए देशभर में घर-घर से चंदा दिया गया है और अयोध्या में जमीन खरीद में जो घपला हुआ है उसमें तीन चीजें साफ हैं। पहला दलितों की जो जमीन खरीदी नहीं जा सकती थी, उसे हड़पा गया है। दूसरा कुछ जमीनें जो कम दाम की थीं उन्हें कई गुना अधिक कीमत पर ट्रस्ट को बेचा गया है। 2017 में दो करोड़ में खरीदी गई एक जमीन के 10 हजार वर्गमीटर के एक टुकड़े को 2021 में मंदिर ट्रस्ट को आठ करोड़ रुपये में बेचा गया और उसी जमीन के 12 हजार वर्गमीटर के दूसरे हिस्से को रवि मोहन तिवारी को पहली जमीन की रजिस्ट्री के 19 मिनट बाद ही दो करोड़ में बेचा गया। तिवारी की सेल डीड में अनिल मिश्रा जो आरएसएस के पदाधिकारी और राम मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टी हैं, वह गवाह हैं। जबकि अयोध्या के मेयर ऋषिकेश उपाध्याय दूसरे गवाह हैं। प्रियंका ने कहा, दिलचस्प यह है कि जमीन खरीदने के पांच मिनट बाद रवि मोहन तिवारी दो करोड़ की इस जमीन को 18.50 करोड़ रुपये में ट्रस्ट को बेच देते हैं। गड़बड़ियों की जांच जिलाधिकारी स्तर से कराने के प्रदेश सरकार के फैसले पर प्रियंका ने कहा कि जब राम मंदिर ट्रस्ट को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के आधार पर बनाया गया था, तो यह जांच भी सुप्रीम कोर्ट द्वारा होनी चाहिए क्योंकि जिलाधिकारी स्तर के अधिकारी मेयर की जांच नहीं कर सकते। सबको मालूम है कि राम मंदिर के आस-पास जितनी भी जमीनें हैं, उनकी लूट हो रही है और भाजपा नेता से लेकर सरकारी अधिकारी तक सब इस लूट में मिले हुए हैं।

अपनी सरकार बना लो, नहीं तो कुंवारे रह जाओंगे : जयंत चौधरी

» गठबंधन की सरकार बनेगी तो एक करोड़ युवाओं को नौकरी मिलेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बात घर की हो या घर जैसे माहौल की। अपनत्व की बात निकल ही आती है। इगलास में सभा के दौरान जयंत चौधरी कुछ ऐसे ही माहौल में जनता से रूबरू हुए। बेरोजगारी का हवाला देते हुए युवाओं से कहा कि अपनी सरकार बना लो, नहीं तो कुंवारे रह जाओगे। किसानों की आय दो गुनी करने पर भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि 2022 आ गई, क्या किसी की आय दो गुनी हुई? जनता की भीड़ व जोश देखकर जयंत ने कहा भाजपा वाले दूरबीन लगाकर देख लें।

सपा-रालोद की रैली में उमड़ी भीड़ को देखकर जयंत चौधरी जोश से लबरेज थे। मास्क निकालकर

तेजी से माइक की ओर बढ़े और राम-राम से शुरुआत की। कहा, हमने तो ऊपर से तस्वीर देखी है, जितने लोग यहां हैं उससे 10 गुना ज्यादा सड़कों पर हैं। सपा से गठबंधन करने के कारणों को भी रखा। कहा, चौधरी चरण सिंह का पुराना समीकरण लौटाने के लिए हाथ बढ़ाया है। आज किसान दिवस है। चौधरी चरण सिंह कहते थे अपनी एक आंख खेत पर रखते हो तो दूसरी दिल्ली और लखनऊ की राजनीति पर रखा करो। कहा, प्रदेश में गठबंधन की सरकार बनेगी तो एक करोड़ युवाओं को नौकरी मिलेगी। सरकार बनने के बाद अगले साल 23 दिसंबर को हम किसानों को 12 हजार रुपये देंगे, जो भाजपा अभी छह हजार देती है।

भाजपा सांसद के कथित पति ने लगाया उत्पीड़न का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने भाजपा सांसद संघमित्रा मौर्या के पति होने का दावा करने वाले एक व्यक्ति की सांसद और उनके पिता कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्या पर शारीरिक व मानसिक उत्पीड़न करने को लेकर दायर याचिका पर राज्य सरकार से जवाब तलब किया है। यह आदेश न्यायमूर्ति डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति सरोज यादव की पीठ ने दीपक कुमार स्वर्णकार उर्फ दीपक केएस की याचिका पर पारित किया। याची के वकील रोहित त्रिपाठी ने बताया कि हाई कोर्ट ने एक दिसंबर को सुनवाई करते हुए राज्य सरकार के अधिवक्ता को एक सप्ताह में जवाब दाखिल करने को कहा था, किंतु अभी तक मामले में कोई जवाब दाखिल नहीं किया गया है। याची का कहना है कि 2019 के लोकसभा चुनाव के पूर्व ही उसने और भाजपा सांसद ने बौद्ध प्रथा से विवाह कर लिया था। हालांकि दोनों के बीच शादी का खुलासा चुनाव के बाद करने की सहमति बनी थी।

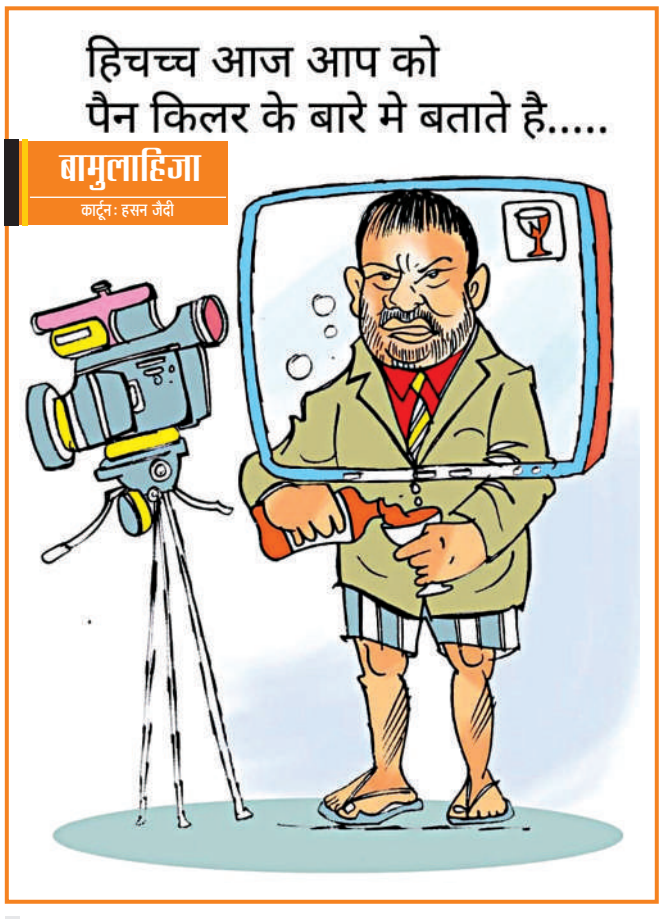

अटल स्वास्थ्य मेले में मरीजों की नि:शुल्क जांच

» बांटे गए आयुष्मान कार्ड, प्राइवेट अस्पतालों ने भी दी सेवाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी के चारबाग स्थित डीएवी कॉलेज में अटल स्वास्थ्य मेले का शुभारंभ हुआ। लखनऊवासियों को नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने के उद्देश्य से जिला स्वास्थ्य समिति द्वारा इसका आयोजन किया जा रहा है। दो दिवसीय अटल स्वास्थ्य मेले में मरीजों की नि:शुल्क जांच व इलाज किया जाता है। पहले दिन 4187 लोगों की जांच की गई।

साथ ही, आयुष्मान कार्ड भी बांटे गए। बता दें कि, इस स्वास्थ्य मेले में प्रदेश के बड़े प्राइवेट अस्पताल भी मुफ्त में इलाज मुहैया करा रहे हैं, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति आसानी से इलाज करा सकता है। इसके अलावा रक्तदान शिविर भी लगाया गया। साथ ही नारायण सेवा संस्थान द्वारा दिव्यांगजन को कृत्रिम अंगों, एल्प्स द्वारा हियरिंग एड का वितरण किया गया। बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार और दिव्यांगजन कल्याण विभाग ने भी अपने स्टाल्स लगाए।

स्माइल ट्रेन के कार्यों की मंत्रियों, महापौर ने की सराहना

दो दिवसीय अटल स्वास्थ्य मेले में लगे स्माइल ट्रेन, हेल्थ सिटी हॉस्पिटल के स्टॉल का उद्घाटन बृजेश पाठक व मेले के संयोजक नीरज सिंह ने किया। मेले में स्माइल ट्रेन प्रोजेक्ट का स्टॉल भी लगा हुआ है। ज्ञात हो विश्वविख्यात संस्था स्माइल ट्रेन द्वारा कटे होठ व कटे तालू वालों की निशुल्क सर्जरी कर उनके चेहरे पर मुस्कान बिखेरने का कार्य किया जा रहा है।

अब भाजपा की नजर दूसरे दल के वोटरों पर, सेंध लगाने की जुगत में जुटी

- पैठ बढ़ाने के लिए नेता और विधायकों को किया गया सक्रिय
- परंपरागत के साथ विभिन्न दलों के वोटरों के बीच जनसंपर्क तेज
- विभिन्न दलों के नेताओं को जोड़ने में भी जुटी भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सूबे की सत्ता को बरकरार रखने के लिए भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी है। विधान सभा चुनाव में अपने परंपरागत वोट बैंक को मजबूत करने के साथ उसकी नजर विरोधी दलों के वोटरों पर भी है। दलित और पिछड़ों पर उसका विशेष फोकस है। यही वजह है कि उसने विरोधी वोट बैंक में सेंधमारी के लिए अपने नेताओं और पदाधिकारियों को लगा दिया है। ये लगातार जनसंपर्क के जरिए प्रदेश और केंद्र सरकार की कल्याणकारी नीतियों और उपलब्धियों की जानकारी पहुंचा रहे हैं।

विधान सभा चुनाव की आहट के साथ भाजपा ने कमर कस ली है। चुनाव की तैयारी में पूरा खेमा जुटा है। सामाजिक अभियान चलाकर जातियों में सेंधमारी की जा रही है, जिसके लिए पार्टी के कद्दावर और संबंधित जातियों में दखल रखने वाले नेताओं को विधान सभा क्षेत्र अनुसार जिम्मेदारी सौंपी गई है। पार्टी किसी भी स्तर पर कोई खामी नहीं छोड़ना चाहती है। पार्टी की सबसे छोटी इकाई बूथ अध्यक्षों को हाल ही में राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने अलीगढ़ में धार दी है। कुनवा बढ़ाने के लिए दूसरे दलों को भी जोड़ा जा रहा है। इसके अलावा हर विधान सभा क्षेत्र में अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति तक विशेष पहुंच बनाई जा रही है, खासकर दूसरे दलों के वोटरों में सेंधमारी की जा रही है। इसके लिए पार्टी के जनप्रतिनिधियों और कद्दावर नेताओं पर जिम्मेदारी है। ये नेतृत्व द्वारा निर्धारित विधान सभा क्षेत्र में दो दिनी प्रवास कर रहे हैं। जातिगत समीकरण के अनुकूल

आधी आबादी पर भी नजर

उत्तर प्रदेश चुनाव से पहले भाजपा प्रदेश की महिलाओं को भी साधने की कोशिश कर रही है। इसके मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दिनों प्रयागराज में स्वयं सहायता समूह के खातों में 1000 करोड़ की राशि हस्तांतरित की, जिससे लगभग 16 लाख महिला सदस्यों को लाभ मिला।

बाहुल्य क्षेत्र में जाकर परंरागत वोटरों को मजबूत बनाने और दूसरे दलों के वोटरों को अपना बनाने के लिए जनसंपर्क कर रहे हैं। केंद्र और प्रदेश सरकार के कार्यो के साथ ही दूसरी दलों की खामियां भी गिनाई जा रही है। आगरा में खैर के विधायक अनूप वाल्मीकि ने पिछले दिनों वाल्मीकि समाज में संपर्क साधा तो विषौली विधायक कुशाग्र सागर ने जगदीशपुरा, खतैना क्षेत्र में समाज के बीच पहुंच नीले खेमे के वोटरों में सेंध लगाई। बल्देव विधायक पूरन प्रकाश और फीरोजाबाद मेयर ने भी आगरा के कई क्षेत्रों में जनसंपर्क किया। अभियान के माध्यम से इस क्रम की आगे भी निरंतरता रहेगी। सामाजिक अभियान के महानगर प्रमुख विकास भारद्वाज ने बताया कि भाजपा हर वर्ग के लिए कार्य कर रही है। समाज के बीच सरकार की उपलब्धियां गिनाने के लिए दिग्गज जा रहे हैं।

निषादों को साधने की कोशिश

उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव के पहले निषाद समाज को साधने के लिए जल्द ही भाजपा सरकार आरक्षण दे सकती है। निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद की ओर से की गई निषादों को आरक्षण देने की मांग पर योगी सरकार ने की पहल शुरू कर दी है। 17 दिसंबर की रैली में गृहमंत्री अमित शाह के आश्वासन दिए जाने के तुरंत बाद योगी सरकार इसको लेकर सक्रिय हो गई है। राज्य सरकार ने भारत सरकार के रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त को पत्र भेजकर तत्काल मार्गदर्शन मांगा है। इसके साथ ज्ञापन को भी संलग्न किया गया है। गौरतलब है कि निषाद पार्टी भाजपा की सहयोगी दल है।

उत्तराखंड में बगावत! कांग्रेस में अंदरूनी कलह के संकेत

- पूर्व सीएम हरीश रावत पार्टी से हो गए हैं नाराज
- राजनीति से संन्यास लेने की कर सकते हैं घोषणा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड विधान सभा चुनाव से पहले उत्तराखंड कांग्रेस में हलचल तेज हो गई है। दरअसल, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत ने कांग्रेस संगठन पर गंभीर सवाल उठाए हैं। सूत्रों के अनुसार हरीश रावत पार्टी से नाराज हो गए हैं और वो 5 जनवरी को राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा कर सकते हैं। बता दें कि हरीश रावत ने हाल ही में एक ट्वीट किया जिसके बाद उत्तराखंड में सियासी संकट पैदा हो गया है और अब कांग्रेस डैमेज कंट्रोल के मूड में है।

माना जा रहा है कि हरीश रावत को मनाने की कांग्रेस ने कोशिशें तेज कर दी है। हरीश रावत ने एक दिन पहले ही कांग्रेस से मोहभंग, पार्टी में मगरमच्छ, आराम करने जैसे कई ट्वीट करके पार्टी को चौंका दिया था। हरीश रावत हाल ही में पंजाब मसला सुलझाने को लेकर सुर्खियों में रहे थे और अब वे खुद उत्तराखंड में उलझते नजर आ रहे हैं। सूत्रों से खबर है कि टिकट के बंटवारे को लेकर हरीश रावत नाराज चल रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ यह भी कहा जा रहा है कि हरीश रावत खुद को सीएम का चेहरा घोषित करवाए जाने के लिए प्रेशर पॉलिटिक्स कर रहे हैं। इस बीच पार्टी के अंदर इस गतिविधि पर टिप्पणी करते हुए पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व कांग्रेस नेता कैप्टन अमरिंदर सिंह ने हरीश रावत पर तंज कसा और कहा कि जैसा बोओगे वैसा ही काटोगे। जब अमरिंदर सिंह ने पंजाब के मुख्यमंत्री के रूप में पद छोड़ा था तब सितंबर में रावत कांग्रेस के पंजाब मामलों के प्रभारी थे। उत्तराखंड में 2022 की शुरूआत में विधान सभा चुनावों से पहले कांग्रेस महासचिव हरीश रावत द्वारा संगठन पर उनके साथ असहयोग करने का आरोप लगाए जाने के बाद पार्टी के समक्ष नया संकट पैदा हो गया है।

नया साल दिखाएगा नया रास्ता : हरीश रावत

अगले कुछ ही महीने में उत्तराखंड में चुनाव होने वाले हैं और ऐसे में अमूमन हर सर्वे में कांग्रेस के सबसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री के तौर पर सामने आने वाले हरीश रावत के कुछ ऐसे ट्वीट सामने आए हैं जो हाईकमान से उनकी नाराजगी दिखाते हैं। हरीश रावत ने ट्वीट कर लिखा है न अजीब सी बात, चुनाव रूपी समुद्र को तैरना है, सहयोग के लिए संगठन का ढांचा अधिकांश स्थानों पर सहयोग का हाथ आगे बढ़ाने के बजाय या तो मुंह फेर करके खड़ा हो जा रहा है या नकारात्मक भूमिका निभा रहा है। जिस समुद्र में तैरना है, सत्ता ने वहां कई मगरमच्छ छोड़ रखे हैं। जिनके आदेश पर तैरना है, उनके नुमाइंदे मेरे हाथ-पांव बांध रहे हैं। मन में बहुत बार विचार आ रहा है कि हरीश रावत अब बहुत हो गया, बहुत तैर लिए, अब विश्राम का समय है।

हरदा को घोषित करें मुख्यमंत्री का चेहरा

पूर्व सीएम हरीश रावत की इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट से कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति फिर से गरमा चुकी है। राज्यसभा सदस्य प्रदीप टम्टा, जागेश्वर विधायक व पूर्व विस अध्यक्ष गोविंद सिंह कुंजवाल और धारचूला विधायक हरीश धामी खुलकर पूर्व सीएम के पक्ष में उतर चुके हैं। तीनों का कहना है कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं से लेकर आम लोग की पसंद भी हरीश रावत हैं। लिहाजा केंद्रीय नेतृत्व को उन्हें चेहरा घोषित करना चाहिए। कुंजवाल ने तो स्पष्ट कह दिया कि जहां हरीश रावत जाएंगे वहां हम सब जाएंगे। वहीं विधायक धामी बोले कि अगर हरदा को सीएम नहीं बनाया तो अलग लाइन में खड़े होने वालों में वह सबसे आगे होंगे।

दिल्ली बुलाए गए बड़े नेता

पार्टी के वरिष्ठ नेता हरीश रावत के ट्वीट के बाद पिछले दो दिनों से कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व में हड़कंप मचा हुआ है। हरीश रावत का ट्वीट पार्टी में बगावत की तरह देखा जा रहा है। हालांकि ट्वीट के तुरंत बाद हरकत में आई पार्टी ने रावत से बात की और उन्हें तुरंत दिल्ली तलब किया। उनके साथ प्रदेश के दो वरिष्ठ पदाधिकारियों को भी दिल्ली बुलाया गया है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

एक्सप्रेस-वे बनाम शहर की सड़कें

एक ओर प्रदेश में दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे और पूर्वांचल एक्सप्रेस वे का लोकार्पण किया गया तो दूसरी ओर शहर की सड़कें खस्ताहाल होती जा रही हैं। तमाम वादों के बाद भी सड़कों को गड्ढा मुक्त नहीं किया जा सका है। इसके चलते न केवल सड़क हादसों बल्कि इसमें जान गंवाने वालों की संख्या में भी इजाफा हो रहा है। सवाल यह है कि शहर की सड़कों की हालत दिन-ब-दिन खराब क्यों होती जा रही है? क्या ठेकेदारों और कर्मचारियों की मिलीभगत के कारण सड़कों की गुणवत्ता से समझौता किया जा रहा है? क्या भ्रष्टाचार ने पूरे तंत्र को चौपट कर दिया है? आखिर गड्ढा मुक्त सड़कों का वादा जमीन पर उतरता क्यों नहीं दिख रहा है? मानकों को दरकिनार कर सड़क बनाने के लिए कौन जिम्मेदार है? क्या लोगों की जान जोखिम में डालने की छूट किसी को दी जा सकती है? क्या केवल एक्सप्रेस-वे बनाकर ही सरकार अपने कर्तव्यों की इतिश्री समझ रही है? सड़कों के निर्माण में भ्रष्टाचार को शह कौन दे रहा है? क्या ऐसे ही प्रदेश के तमाम शहरों को स्मार्ट सिटी में तब्दील किया जा सकेगा?

सड़कों को विकास का प्रतीक मानने वाली सरकार में भी प्रदेश की सड़कों का हाल खराब है। लखनऊ भी इससे अछूता नहीं है। यहां की तमाम सड़कें गड्ढा युक्त हैं। पुराने लखनऊ में हालत और भी खराब हैं। जहां नयी सड़कें बनायी भी गयी हैं वहां मानकों को दरकिनार कर दिया गया। इन पर बने स्पीड ब्रेकर हादसों को न्योता दे रहे हैं। ऐसे ही स्पीड ब्रेकर के कारण देवरिया में एक सड़क हादसे में तीन महिलाओं की मौत हो चुकी है। यह स्थिति तब है जब गड्ढा युक्त सड़कों के कारण होने वाले हादसों पर सुप्रीम कोर्ट अपनी चिंता जाहिर कर चुका है। बावजूद स्थितियों में कोई सुधार होता नहीं दिख रहा है। आलम यह है कि नयी सड़क पहली ही बारिश में उखड़ जाती है और उसमें बड़े-बड़े गड्ढे बन जाते हैं। इसमें दो राय नहीं कि इसकी सबसे बड़ी वजह सड़कों के निर्माण में व्याप्त भ्रष्टाचार है। ठेकेदार और कर्मियों की मिलीभगत से यह सारा खेल जारी है और सरकार इस मामले में कोई ठोस कार्रवाई करती नहीं नजर आती है। हां, कभी-कभी गड्ढों को ढंकने के लिए पैचवर्क जरूर कर दिया जाता है। यह पैचवर्क भी इस तरह होता है कि यदि चालक सतर्क न रहे तो कभी भी हादसे का शिकार हो सकता है। जब राजधानी का यह हाल है तो अन्य शहरों की स्थिति को समझा जा सकता है। यदि सरकार शहरों को स्मार्ट बनाना और हादसों को रोकना चाहती है तो उसे शहर की सड़कों को दुरुस्त करना होगा और सड़क निर्माण में फैले भ्रष्टाचार को भी खत्म करना होगा।

“ एक ओर प्रदेश में दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे और पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का लोकार्पण किया गया तो दूसरी ओर शहर की सड़कें खस्ताहाल होती जा रही हैं। तमाम वादों के बाद भी सड़कों को गड्ढा मुक्त नहीं किया जा सका है। इसके चलते न केवल सड़क हादसों बल्कि इसमें जान गंवाने वालों की संख्या में भी इजाफा हो रहा है। सवाल यह है कि शहर की सड़कों की हालत दिन-ब-दिन खराब क्यों होती जा रही है?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

संवैधानिक व्यवस्था में भीड़ के न्याय पर सवाल

विश्वनाथ सचदेव

अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में गुरुग्रंथ साहिब के 'बेअदबी' का मामला निश्चित रूप से गंभीर है। सच तो यह है कि किसी भी धर्म-ग्रंथ का अपमान, चाहे वह गुरु-ग्रंथ साहिब हों या गीता या बाइबिल या कुरान, किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं हो सकता। स्वर्ण-मंदिर में हुई अवमानना की इस घटना के बाद सिख-समाज में ही नहीं, देश में धार्मिक सद्भाव के माहौल को बिगाड़ने के 'षड्यंत्र' के खिलाफ आवाज उठ रही है। इस घटना के तत्काल बाद कपूरथला के एक गुरुद्वारे में 'निशान साहिब' की अवमानना का मामला भी सामने आया है। इस तरह की घटनाएं किसी षड्यंत्र को तो पैदा करती ही हैं। यह षड्यंत्र का संदेह सीमा-पार से भी संचालित हो सकता है और देश के भीतर भी राष्ट्र-विरोधी तत्वों का हाथ होने से इनकार नहीं किया जा सकता। उम्मीद की जानी चाहिए कि हमारी सुरक्षा एजेंसियां ऐसे किसी षड्यंत्र का पर्दाफाश जल्दी ही कर सकेंगी। हर राजनीतिक दल ने इस कांड की कठोर शब्दों में निंदा की है और अपराधी को कठोरतम सज़ा देने की मांग भी की है लेकिन, सवाल कथित अपराधियों को दे दी गयी सजा का भी है।

स्वर्ण मंदिर में पवित्र गुरु-ग्रंथ साहिब की बेअदबी करने वाले व्यक्ति को उत्तेजित भीड़ ने पीट-पीटकर मार दिया है। यही कपूरथला के कथित अपराधी के साथ भी किया गया है। ये दोनों अभियुक्त यदि पकड़े जा सकते तो किसी षड्यंत्र का पता लगाया जाना आसान होता। ऐसे में यह सवाल उठता है कि भीड़ ने जो कुछ किया, क्या वह उचित था? सवाल यह भी है कि इस तरह के भीड़-तंत्र की निंदा न करके क्या हमारे राजनीतिक दलों ने कानून के शासन की अवहेलना नहीं की है? यह रेखांकित किया जाना महत्वपूर्ण है कि किसी भी राजनीतिक दल ने भीड़ द्वारा कानून हाथ में लिये जाने की भर्त्सना तो छोड़िए आलोचना तक नहीं की है। आखिर क्यों? राजनीतिक दलों के इस व्यवहार का एक कारण तो यह समझ में आता है कि शायद वे चुनावी-राजनीति के नफे-नुकसान को देखकर इस बारे में चुप रहे हों। अमृतसर और कपूरथला के कांड गुरुद्वारों से जुड़े हैं, इसलिए सिख समुदाय का समर्थन पाने और सिखों के प्रति हमदर्दी जताने का मामला भी हो सकता है। लेकिन ऐसे किसी भी कांड की घोर भर्त्सना करने के बाद कानून के शासन की बात सोचना भी जरूरी होना चाहिए। यूं तो साम्प्रदायिकता फैलाने वाले तत्व अक्सर सक्रिय दिख जाते हैं। मंदिरों,

मस्जिदों, गुरुद्वारों और गिरजाघरों को अपवित्र करने की खतरनाक कोशिशें देश में होती रही हैं। राजनीतिक लाभ उठाने के लिए भी साम्प्रदायिकता की आग फैलाने वाले बाज़ नहीं आते। इस संदर्भ में कथित अपराधियों को पीट-पीट कर मार देने की घटनाएं भी पिछले एक अर्से से सामने आती रही हैं। आहत भावनाओं और उत्तेजनाओं की दुहाई भी अक्सर दी जाती है। लेकिन, इस सबके बावजूद यह सवाल तो उठना ही चाहिए कि हम कानून के शासन में विश्वास करते हैं या नहीं?

न्याय होना चाहिए यह सही है, पर न्याय होते हुए दिखना भी चाहिए। कानून के शासन में विश्वास करने वाली व्यवस्था में भीड़ की अराजकता को स्वीकार नहीं किया जा सकता। इसी सिद्धांत का तकाजा है कि अमृतसर या कपूरथला के आरोपियों को पुलिस के हवाले किया जाना चाहिए था। आरोपियों ने जो कुछ किया उसका समर्थन किसी भी कीमत पर नहीं किया जा सकता, कोई करेगा भी नहीं। पर भीड़ ने जो कुछ किया उसे अनदेखा करने का मतलब भी एक तरह की अराजकता को स्वीकार करना ही होगा। हमारे राजनीतिक दल, राजनेता इस अनदेखी के अपराधी हैं। पिछले एक अर्से से कानून पर भीड़ तंत्र के हावी होने की कई घटनाएं हमने देखी हैं। कभी गोवंश की हत्या और तस्करी के नाम पर भीड़ कानून को अपने हाथ में ले लेती है और कभी हमारे भाई इस नृशंसता के शिकार हो जाते हैं। आंकड़ों के अनुसार पिछले साल, देश में भीड़ द्वारा पीट-पीट कर मार देने की 23 घटनाएं हुईं। सवाल सिर्फ यह नहीं है कि इन मामलों में दोषी को सजा मिली या नहीं, सवाल यह भी है कि इस तरह के भीड़-तंत्र को किसी भी प्रकार की स्वीकार्यता क्यों मिले? भीड़ का कानून को अपने हाथ में लिया जाना किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार नहीं किया जा सकता। आहत भावनाओं के मामले में किसी का उत्तेजित होना एक सीमा तक ही समझा जा सकता है। भावनाओं के नाम पर कानून को अपने हाथ में लेने का अधिकार किसी को नहीं होना चाहिए। स्वर्ण मंदिर और कपूरथला के गुरुद्वारों में जो 'बेअदबी' हुई उसकी तीव्रतम भर्त्सना करते हुए कानून को हाथ में लेने की खतरनाक प्रवृत्ति की निंदा जरूरी है। संवैधानिक व्यवस्था में विश्वास करने वाले समाज में किसी भी प्रकार की अराजकता को स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए।

पाकिस्तानी कोशिशों को झटका

धनंजय त्रिपाठी

हाल में इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की जो बैठक पाकिस्तान में हुई, इसे हम अलग-अलग बिंदुओं से देख सकते हैं। इसमें अहम मुद्दा अफगानिस्तान का मानवीय संकट था। इस मसले पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने भी लगातार चिंता जतायी है। भारत ने भी अफगानिस्तान को जरूरी दवाएं और अनाज भेजा है। समूची दुनिया में यह राय बन रही है कि तालिबान सरकार को मान्यता देने के मुद्दे और अफगान जनता को मदद पहुंचाने के मामले को अलग-अलग कर देखा जाना चाहिए।

ओआईसी की बैठक में भी यही भावना व्यक्त की गयी। दूसरी बात, पाकिस्तान की कोशिश रही है कि तालिबान को व्यापक वैश्विक मान्यता मिले। बैठक में भी वह इस राय को बढ़ावा देना चाह रहा था, लेकिन सफलता नहीं मिली है। तालिबान शासन के अंतरिम विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी भी सम्मेलन में शामिल हुए थे, लेकिन आधिकारिक साझा तस्वीर से उन्हें हटा दिया गया। ओआईसी देशों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकारों को लेकर प्रतिबद्धता का जो मामला है, उस पर तालिबान को खरा उतरना होगा। ये देश तालिबान सरकार को मान्यता देने में भी कोई जल्दबाजी नहीं करना चाहते हैं। यह सवाल अहम है कि अगर तालिबान को मान्यता दिलाने में पाकिस्तान की इतनी दिलचस्पी है तो वह खुद ही आगे बढ़कर उसे मान्यता क्यों नहीं दे रहा है अगर पाकिस्तान के हवाले से इस आयोजन को देखें, तो चार बातें सामने आती हैं। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा कि आतंक के विरुद्ध युद्ध में पाकिस्तान का शामिल होना खुद अपने पर किया गया घाव है और उसे सही नहीं ठहराया जा सकता है।

आज यह बात कहना आसान है, लेकिन यह सभी को पता है कि तत्कालीन पाकिस्तानी राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ उस युद्ध में शामिल नहीं होना चाहते थे, पर उन्हें अमेरिकी धमकी के कारण झुकना पड़ा था। पाकिस्तान पर यह सवाल भी उठता रहा है कि क्या उसने आतंक के खिलाफ लड़ाई में पूरे मन से हिस्सा लिया था? तालिबान की वापसी इस बात का सबूत है कि उस लड़ाई में पाकिस्तान का रवैया ढीला-ढाला था तथा उसने तालिबानी नेतृत्व और लड़ाकों को अपने यहां सुरक्षित पनाह दी थी। अफगानिस्तान की पख्तून समेत बड़ी आबादी के भीतर पाकिस्तान को लेकर हमेशा संदेह भी रहा है। वे पाकिस्तान को एक अच्छा पड़ोसी नहीं मानते हैं। सवाल है कि तालिबान को लेकर पाकिस्तान की सोच वैचारिक है या रणनीतिक। मेरा मानना है कि यह रणनीतिक संबंध है, जिसे पाकिस्तान ने पहले भुनाया भी है। पश्चिमी देशों में अफगानिस्तान के मानवीय संकट के कारण राय बदल रही है और वे तालिबान से संपर्क स्थापित करने की कोशिश में हैं। पाकिस्तान नहीं चाहता है कि वह इस प्रक्रिया में अलग-थलग पड़े और वह अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह संकेत देने की कोशिश में है कि अगर अफगानिस्तान को मदद करना है तो पाकिस्तान सबसे बेहतर जरिया है। उल्लेखनीय है कि इस्लामाबाद में हुआ ओआईसी सम्मेलन अमेरिका के जाने के बाद अफगानिस्तान पर हुई सबसे बड़ी बैठक है।

यह भी पाकिस्तान की ओर से एक संकेत है पर यह भी समझा जाना चाहिए कि बीते सालों में ओआईसी पर पाकिस्तान की पकड़ कमजोर हुई है, खासकर भारत में जम्मू-कश्मीर से संबंधित अनुच्छेद 370 को हटाये जाने के बाद। पाकिस्तान ने लगातार यह प्रयास किया है कि इस संगठन की ओर से भारत की आलोचना का कोई प्रस्ताव आये, परंतु कई मुस्लिम देशों ने इस मामले में दिलचस्पी नहीं दिखायी है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने ओआईसी को दरकिनार कर कश्मीर के बारे में अलग से मुस्लिम देशों का सम्मेलन बुलाने की धमकी दे दी थी। इस बैठक में भी पाकिस्तान की ओर से कश्मीर का मुद्दा उठाने की कोशिश हुई, पर उसका कोई असर नहीं हुआ। अब अफगानिस्तान मसले पर ऐसा लगता है कि पाकिस्तान पुराने रवैये पर लौटते हुए कश्मीर पर कोई साझा प्रस्ताव पारित कराने की जुगत में है।

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने इस बैठक में मानवाधिकार के सवाल को उलझाने की भी कोशिश की, पर उसका प्रतिकार ओआईसी के इस बयान के रूप में आ गया कि वे अंतरराष्ट्रीय समुदाय की भावनाओं के अनुरूप अफगानिस्तान में तालिबान द्वारा मानवाधिकारों का सम्मान होते देखना चाहते हैं। ओआईसी सम्मेलन को इस्लामिक देशों द्वारा अफगानिस्तान में मानवीय संकट के समाधान के एक प्रयास के रूप में ही देखा जाना चाहिए। इस आयोजन से पाकिस्तान को किसी प्रकार की कोई कूटनीतिक सफलता नहीं मिली है। यह सवाल पूछा जाना चाहिए कि पाकिस्तान को अगर अफगानिस्तान की इतनी ही चिंता है, तो जब भारत मदद के तौर पर गेहूं भेज रहा था, तब पाकिस्तान ने उसमें अड़ंगा क्यों लगाया। असल में पाकिस्तान के लिए यह मामला राजनीतिक है और इसे अफगानिस्तान की जनता भी जानती है। इस्लामिक देशों की यह बैठक अफगान जनता के लिए जरूर अहम है क्योंकि सम्मेलन में एक विशेष साझा कोष बनाकर सहायता देने पर सहमति बनी है। ओआईसी का मुख्य ध्यान मानवीय मदद पर रहा है, न कि राजनीतिक मसलों पर।

दूध पीना लगभग सभी के लिए फायदेमंद होता है। तो वहीं सर्दियों के मौसम में लौंग भी सेहत को कई सारे फायदे पहुंचाती है। ऐसे में अगर इन दोनों चीजों को एक साथ मिलाकर यानी लौंग का दूध बनाकर डाइट में शामिल किया जाये, तो ये सेहत के लिए एक नहीं बल्कि कई तरह से फायदेमंद हो सकते हैं। आइये आपको बताते हैं कि लौंग का दूध सेहत के लिए किस तरह से फायदेमंद हो सकता है। साथ ही ये भी जानते हैं कि लौंग का दूध तैयार करने का तरीका क्या है।

सेहत के लिए फायदेमंद होता है

लौंग का दूध

दूध और लौंग में होते हैं ये पोषक तत्व

दूध और लौंग दोनों ही चीजें कई सारे पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं। दूध में प्रोटीन, कैल्शियम और राइबोफ्लेविन, फॉस्फोरस, मैग्नीशियम, आयोडीन, खनिज, वसा, ऊर्जा, विटामिन ए, डी, के और ई सहित कई और पोषक तत्व होते हैं। तो वहीं लौंग भी प्रोटीन, आयरन, कार्बोहाइड्रेट्स, कैल्शियम, सोडियम, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, पोटैशियम, जिंक और कॉपर जैसे तत्वों से भरपूर होती है।

इस समय करें लौंग के दूध का सेवन

वैसे तो आप अपनी सुविधानुसार लौंग के दूध का सेवन किसी भी समय कर सकते हैं। लेकिन इस दूध को पीने का सबसे सही समय रात का है। आप लौंग के दूध का सेवन रात को सोने से पहले करें तो ये आपके लिए ज्यादा बेहतर होगा। इससे आपकी थकान और मानसिक तनाव भी काफी हद तक कम होगा।

लौंग का दूध पीने के फायदे

- लौंग का दूध पीने से बॉडी को एनर्जी मिलती है।
- मुंह की बदबू दूर करने में भी लौंग का दूध मदद करता है।
- दांतों के दर्द से राहत देने का काम भी करता है लौंग का दूध।
- कब्ज की दिक्कत को दूर करने में भी लौंग का दूध काफी सहायता करता है।
- लौंग का दूध भूख को ब?ाने में काफी हेल्पफुल हो सकता है।
- गले में दर्द, खराश जैसी परेशानी को दूर करने में भी लौंग का दूध काफी फायदेमंद होता है।

इस तरह से तैयार करें लौंग का दूध

लौंग का दूध तैयार करने के लिए आप सबसे पहले दूध को अच्छी तरह से गर्म कर लें। इसके बाद लौंग को पीसकर बारीक पाउडर बना लें। फिर एक गिलास दूध में लौंग का पाउडर मिक्स करें और स्वाद के अनुसार गु? या चीनी भी दूध में मिला कर इसका सेवन करें।

हंसना मना है

सचिन: तुम्हारी आंख क्यों सूजी हुई है ?
रवि: कल मैं अपनी पत्नी के जन्मदिन पर केक लेकर गया था। सचिन: लेकिन इसका आँख सूजने से क्या संबंध है? रवि : मेरी पत्नी का नाम तपस्या है लेकिन cake वाले बेवकूफ दुकानदार ने लिख दिया appy Birthday समस्या।

अमित अपने दोस्त से: पता है इंसान सबसे ज्यादा खुश कब होता है? दोस्त: नहीं पता, बताओ कब? अमित जब रेलवे फाटक बंद हो रहा हो और उसके पहले वो अपनी गाड़ी निकाल ले। ऐसा लगता है जैसे ओलंपिक में कोई रेस जीत ली हो।

पापा: बेटा कबूतर पर एक वाक्य बनाओ रवि: शाम को पी हुई दारू, Kab Utar जाती है। पता ही नहीं चलता।

दामाद अपनी सास से : आपकी बेटी में कोई बात ढंग की नहीं है। सास : हाँ, बेटा मालूम है तभी तो कोई ढंग का लड़का नहीं मिला।

एक औरत अकेले कब्रिस्तान में एक कब्र पर बैठी थी। एक राहगीर ने पूछा: डर नहीं लगता ? औरत: क्यों? इसमें डरने की क्या बात है। अंदर गर्मी लग रही थी तो बाहर आ गई। राहगीर अब कौमा में हैं।

कहानी — पक्के दोस्त

एक शेर और एक चूहा दोस्त थे। दोनों के घर पास-पास थे। एक दिन शेर को एक शिकार मिला। उसने चूहे को आवाज़ लगाई आओ दोस्त, मेरे साथ खाना खा लो। तुम्हें जो खाना है खाओ, मुझे इससे ज्यादा ज़रूरी काम करने हैं। बाहर से आवाज़ आई। शेर को बड़ा बुरा लगा। अगले ही दिन चूहे को शहद का एक डिब्बा मिला। वह खाने के लिए बैठा तो उसने शेर को आवाज़ लगाई, दोस्त, आओ मेरे साथ खाना खा लो। बाहर से उत्तर आया, मुझे नहीं खाना है, तुम्हीं खाओ अपना खाना। जा जा जाए साहा आजा खा साहा चछए, शा एछ चूहे को भी बड़ा बुरा लगा। लेकिन उसने कुछ नहीं कहा। दो दिन के बाद दोनों जंगल में मिले। दोनों की दोस्ती इतनी पव?को थी कि खाने वाली बात को भुलाकर वे फिर से एक साथ खेलने लगे। बातों-बातों में दोनों को पता चला कि शेर ने जब चूहे को आवाज़ लगाई थी तो उसने सुना ही नहीं था। न ही चूहे ने कोई रूखा जवाब दिया था। शेर ने भी यही बात चूहे को बताई। चूहे की आवाज़ न तो उसने सुनी थी, न ही कोई ख़राब-सा जवाब दिया था। ज़रूर कुछ गड़बड़ है। दोनों एक साथ बोले। हमको पता लगाना होगा कि कौन हम दोनों की दोस्ती तोड़ने की कोशिश कर रहा है। शेर गुस्से से दहाड़कर बोला। ठीक कहा, कोई तो है, जो हम दोनों को परेशान करना चाहता है। चूहे ने कहा। उनकी बातें छिपकर कोई सुन रहा था। तभी किसी के चुपके से भागने की आवाज़ आई। दोनों ने देखा कि यह तो लोमडी थी, जो भाग रही थी। शेर ने दहाड़कर कहा, रुक जा, नहीं तो मुझसे बुरा कोई नहीं होगा। ऐसा कहकर शेर ने लपककर लोमडी को पकड? लिया। शेर ने चूहे से कहा, दोस्त, आज रात के खाने में मैं एक लोमडी पकाने वाला हूँ। रात का खाना तुम मेरे साथ खाना। चूहा बोला, ज़रूर आऊँगा मैं। ऐसा भोजन तो मैं छोड़ ही नहीं सकता! लोमडी घबरा गई। बेचारी माफी माँगने लगी। शेर ने कहा, सो उठक-बैठक करो ओर एक हज़ार बार बोलो-मैं अब किसी को तंग नहीं करूँगी। लोमडी बेचारी क्या करती। अपनी गूलती की सज़ा तो उसको मिलनी ही थी न। दो घंटे तक वह यही वाक्य दोहराती रही-अब में किसी को तंग नहीं करूँगी। शेर और चूहे की दोस्ती और भी पक्की हो गई। अच्छे दोस्त किसी तीसरे के कहने से अपनी दोस्ती को खुत्म नहीं होने देते।

5 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज का दिन निवेश करने के लिए ठीक नहीं है। व्यापार में कुछ हानि हो सकती है। किसी काम में सफलता न मिलने से निराशा की संभावना है। अच्छे पलों का अनुभव करेंगे।

वृषभ

शांत और तनावमुक्त रहने की कोशिश करें, इससे आपकी मानसिक दृढ़ता बढ़ेगी। समझदारी से निवेश करें। स्कूल प्रोजेक्ट पर युवाओं को कुछ राय की आवश्यकता हो सकती है।

मिथुन

आज आपका उत्साह भी चरम पर हो सकता है। अगर आप किसी रिश्ते को मजबूत करने या टूटे हुए रिश्ते को बचाने के लिए कुछ सलाह लेना चाहते हैं तो समय आपके लिए बहुत अच्छा हो सकता है।

कर्क

आज आर्थिक स्थिति अनुकूल बनी हुई है। हालांकि इसे स्थिर होने में कुछ और समय लग सकता है। किसी काम के चलते आपको यात्रा कार्यक्रम रद्द करना पड़ सकता है।

सिंह

घर में किसी शुभ कार्य का आयोजन हो सकता है। आज आप असमंजस और असमंजस की स्थिति में रहेंगे, लेकिन इस स्थिति से निकलने की जल्दबाजी न करें।

कन्या

आपको मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। हार न मानें और मनचाहा परिणाम पाने के लिए कड़ी मेहनत करें। इन असफलताओं को प्रगति का आधार बनाएं।

तुला

अच्छा बोलने से आपके प्रयास पूरे हो सकते हैं। अगर आपको कोई महत्वपूर्ण बातचीत या इंटरव्यू आदि करना है तो आपको सफलता मिल सकती है। आप भी सकारात्मक रहेंगे।

वृश्चिक

आप योजनाबद्ध तरीके से व्यापार कर सकते हैं। खाद्य पदार्थों के प्रति आपका लगाव अधिक हो सकता है। आपके घर और परिवार का माहौल शांतिपूर्ण रहेगा ।

धनु

आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे। पैसों से जुड़ा कोई भी फैसला लेने से पहले एक बार फिर सोच लें ताकि स्थिति स्थिर बनी रहे। परिवार का पूरा सहयोग आपको मिलेगा।

मकर

किसी भी तरह की स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए इस गति को तेज रखें। बैंक से जुड़े लेन-देन में बेहद सावधानी बरतने की जरूरत है। आप व्यापार में लाभ कमा सकते हैं।

कुम्भ

आज आपको लेन-देन और बचत के मामलों में गंभीर रहना होगा. जीवनसाथी से मतभेद खत्म करने का प्रयास हो सकता है, इसमें आपको सफलता मिल सकती है।

मीन

किसी पार्टी में जाने का मौका मिल सकता है। नौकरी में उन्नति के अवसर मिल सकते हैं। परिवार के साथ किसी धार्मिक यात्रा की योजना बना सकते हैं।

भोजपुरी | मन की बात

'जोनस' सरनेम हटाने की प्रियंका ने खुद बताई वजह

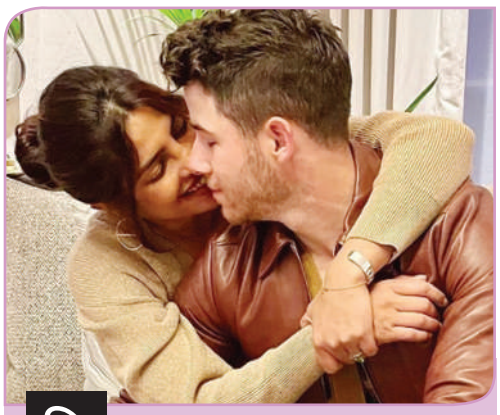

प्रियंका चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट अपने नाम में से जोनस सरनेम हटाने की वजह बताई है। बता दें कि जब अपने नाम से जोनस शब्द हटाया तो सोशल मीडिया पर प्रियंका और निक जोनस की तलाक की खबरों ने जोर पकड़ लिया और इसके बाद लोग प्रियंका खूब ट्रोल करने लगे थे। हालांकि बाद में प्रियंका की मां मधु चोपड़ा ने इसपर रिएक्शन देते हुए इसे अफवाह करार दिया। ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा 1 दिसंबर 2018 को अपने सपनों के राजकुमार सिंगर निक जोनस संग शादी के पवित्र बंधन में बंधी थीं। शादी के बाद से ही प्रियंका अपने लविंग हसबैंड के साथ लॉस एंजिल्स अमेरिका में हैं, लेकिन इस बीच वो सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए वह अक्सर खबरों में बनी हुई हैं। हालांकि इन दिनों प्रियंका अपनी अपकमिंग हॉलीवुड फिल्म 'द मैट्रिक्स रिसरेक्शन्स' लेकर खबरों में छाई हुई हैं। वह इस फिल्म के प्रमोशन में बिजी हैं। 'द मैट्रिक्स रिसरेक्शन्स' के प्रमोशन के दौरान अभिनेत्री ने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए टाइम्स ऑफ इंडिया की बातचीत में जोनस सरनेम हटाने के पीछे की वजह बताई। रिपोर्ट के अनुसार, देसी गर्ल ने कहा कि वो इंस्टाग्राम और ट्विटर पर एक ही यूजरनेम रखना चाहती थीं, इसलिए उन्होंने दोनों ही हैंडल से जोनस सरनेम को हटा दिया। प्रियंका ने कहा, उन्हें मजा आ रहा था कि कैसे लोग छोटी सी बात को इतना बड़ा कर देते हैं। गौरतलब है कि प्रियंका की अपकमिंग फिल्म 'द मैट्रिक्स रिसरेक्शन' 22 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म में प्रियंका ने सती का किरदार निभाया है। फिल्म मूल रूप से 2003 में द मैट्रिक्स रिवॉल्यूशन में एक बच्चे के ऊपर फीचर की गई थी।

विवादों में सनी लियोनी की मधुबन

सनी लियोनी अपने नए 'मधुबन' गाने को लेकर विवादों में आ गई हैं। सनी के म्यूजिक वीडियो को देखने के बाद सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोल किया जा रहा है। यूजर्स इस म्यूजिक वीडियो पर अपनी नाराजगी जताते हुए इस वीडियो को यूट्यूब से हटाने की मांग कर रहे हैं। वीडियो को लेकर यूजर्स ने ये आरोप लगा रहे हैं कि इस गाने के जरिए सनी लियोनी ने हिंदुओं की भावनाओं को आहत किया है।

सनी लियोनी ने शेयर किया गाना

सनी लियोनी ने 22 दिसबंर को अपने इस म्यूजिक वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर कर इसके रिलीज होने की जानकारी शेयरी हैंष सनी के पोस्ट करते ही उनका ये गाना वायरल हो गया है, लेकिन लोगों ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया, लोग उनके गाने के वीडियो अश्लील कर कह इस वीडियो का बायकॉट कर रह रहे है। यूजर्स का कहना है कि इस गाने में राधा या राधिका के नाम के साथ सनी जिस तरह से डांस कर रही हैं, वह काफी आपत्तिजनक है। इस गाने से हिंदुओं की भावनाओं को आहत किया है।

यूजर्स हुए नाराज

एक्ट्रेस की पोस्ट पर एक यूजर ने लिखा है-यह क्या बकवास है? तुम ऐसे गाने कैसे बना सकते हो? क्या आप जानते भी हैं कि कौन हैं श्री राधिका और श्रीकृष्ण कौन थे? हिंदू देवी-देवताओं को निशाना बनाना बंद करें। एक दूसरे यूजर ने लिखा- मधुबन में राधिका कृष्णा के लिए कृष्णा के साथ नाचती थी.. ना की बार में बार डांसर की तरह। एक तीसरे यूजर ने लिखा -कृपया आपसे विनम्र अनुरोध की आप जो अश्लील नाच करते हो। उसमें राधा या राधिका के नाम क्यों दे रहे हो और कुछ नाम नहीं है ।चंद पैसे के लिए किसी की भावना को ठेस पहुंचाने का काम कर रहे हो। इसके एतर एक यूजर ने लिखा- राधिका तुम जेसी नहीं थी .. अश्लीलता फैला कर राधा बन के कोशिश मत करो। बॉयकॉट बॉयकॉट।

आर्यन खान ड्रग्स केस के बाद शूटिंग पर लौटे शाहरुख खान ?

बॉलीवुड | मसाला

आर्यन खान के क्रूज ड्रग्स केस में नाम आने के चलते बीता कुछ वक्त शाहरुख खान और उनके परिवार के लिए काफी मुश्किलों से भरा रहा। हालांकि अब उनकी लाइफ पहले की तरह पटरी पर लौट आई है और करीब तीन महीने बाद शाहरुख किसी शूटिंग सेट पर देखा गया है। शूटिंग सेट से एक्टर की तस्वीर वायरल हो रही है, जिसमें वह किंग खान के लुक में धांसू नजर आ रहे हैं।

एक्टर के फैन क्लब पर शेयर की गई तस्वीर

दरअसल, इंस्टाग्राम पर शाहरुख खान की तस्वीर खूब वायरल हो रही है, जिसमें शाहरुख अपने बॉडीगार्ड के साथ शूटिंग के लिए जाते नजर आ रहे हैं। इस दौरान उन्हें काले रंग की टी-शर्ट और चश्मा पहने हुए देखा जा सकता है। पीछे बंधे हुए बालों के साथ फोटो में उनका बैक साइड ही ज्यादा दिख रहा है। एक्टर की इस तस्वीर को उनके फैन क्लब पर शेयर किया है। वहीं इस वायरल तस्वीर को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं शाहरुख खान अपनी फिल्म पठान की शूटिंग कर दिया है तो कुछ रिपोर्ट में दावा किया जा रहा वह एक विज्ञापन की शूटिंग के लिए पहुंचे थे। हालांकि इस बारें में अभी तक कोई एक्टर या फिल्म मेकर्स की तरफ से कोई ऑफिशियल जानकारी सामने नहीं है। बरहाल एक्टर की फोटो देख कर उनके चाहने वाले जरूर खुश हो गए हैं।

पठान की शूटिंग स्पेन में होनी थी

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अक्टूबर में पठान की शूटिंग स्पेन में होनी थी लेकिन आर्यन खान की गिरफ्तारी के बाद इसे कैंसल कर दिया गया था। पिंकविला की एक रिपोर्ट के मुताबिक पठान का शूट अब दोबारा शुरू हो गया है। फिल्म में शाहरुख खान के साथ ही दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम अहम किरदारों में नजर आएंगे। जानकारी के मुताबिक फिल्म में शाहरुख खान जोरदार एक्शन करते नजर आएंगे। फिल्म के शूटिंग क्लिप्स कुछ वक्त पहले सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुए थे। आपको ये भी बता दें कि चार साल बाद शाहरुख इस फिल्म के जरिए बॉलीवुड में वापसी कर रहे हैं। शाहरुख खान पिछली बार दिसंबर 2018 में रिलीज हुई फिल्म जीरो में नजर आए थे।

अजब-गजब | साल के 8 महीनों के लिए घड़ी एक घंटे आगे चलती है

इन देशों को साल में दो बार करना पड़ता है अपनी घड़ियों का समय ठीक

हमारी पृथ्वी अनगिनत रहस्यों की गवाह है। यहां हर देश में कुछ न कुछ बातें हैं जो उसे दूसरे से अलग बनाती है। जैसे हमारे देश भारत में ताजमहल, कुतुबमीनार या फिर बुलंद दरवाजा, लेकिन आज हम आपको आज कुछ ऐसे देशों के बारे में बताने जा रहे हैं जिन्हें अपनी घड़ियों का समय साल में दो बार ठीक करना पड़ता है। ये बात जानकर यकीनन आपको हैरानी होगी लेकिन ये बात बिल्कुल सही है कि ये देश साल में दो बार अपनी घड़ियों का समय ठीक करते हैं। क्योंकि इन देशों में घड़ी का समय साल में करीब एक घंटा आगे-पीछे हो जाता है। इस सिस्टम को डेलाइट सेविंग टाइम के तौर पर समझा जाता है।

वैसे इस सिस्टम को समझना कोई पहेली नहीं है। अमेरिका समेत दुनिया के कई अन्य देशों में साल के 8 महीनों के लिए घड़ी एक घंटे आगे चलती है और बाकी 4 महीने वापस एक घंटे पीछे कर दी जाती है। मार्च के दूसरे रविवार को अमेरिका में घड़ियों को एक घंटा आगे कर दिया जाता है और नवंबर के पहले रविवार को वापस एक

घंटा पीछे। आइए जानते हैं कि ऐसा क्यों किया जाता है? पुराने समय में ये माना जाता था कि इस प्रक्रिया से दिन की रोशनी का अधिक से अधिक इस्तेमाल के कारण किसानों को अतिरिक्त कार्य समय मिल जाता था। लेकिन समय के साथ यह धारणा बदली है। अब इस सिस्टम को बिजली की खपत कम करने के मकसद से अपनाया जाता है। यानी गर्मी के मौसम में घड़ी को एक घंटा पीछे करने से दिन की रोशनी का अधिक इस्तेमाल के लिए मानसिक तौर पर एक घंटा अधिक मिलने का कॉस्पेट है।

दुनिया के करीब 70 देश इस सिस्टम को अपनाते हैं। हालांकि भारत और अधिकांश मुस्लिम देशों में यह प्रैक्टिस नहीं अपनाई जाती है। अमेरिका के राज्य इस सिस्टम को मानने के लिए कानूनी तौर पर बाध्य नहीं हैं। वो इस सिस्टम को अपनाने के लिए स्वतंत्र हैं। यूरोपीय यूनियन में शामिल देश इस सिस्टम को अपनाते हैं।

इस सिस्टम को अपनाने के पीछे वजह ये थी कि एनर्जी की खपत कुछ कम हो, लेकिन अलग-अलग अध्ययनों में अलग-अलग आंकड़े दे चुकी हैं। इसलिए इस सिस्टम को लेकर हमेशा बहस चलती रहती है। उदाहरण के लिए साल 2008 में अमेरिकी एनर्जी विभाग ने कहा कि इस सिस्टम के लिए करीब 0।5 फीसदी बिजली की बचत हुई, लेकिन आर्थिक रिसर्च के नेशनल ब्यूरो ने उसी साल एक स्टडी में कहा कि इस सिस्टम के कारण बिजली की डिमांड बढ़ी। अमेरिका में इस सिस्टम की शुरुआत साल 2007 में हुई थी। लेकिन डेलाइट सेविंग का सिस्टम काफी पुराना है। ऐसा माना जाता है कि बेंजामिन फ्रेंकलिन ने 1784 में इसका पहली बार उल्लेख अपने एक पत्र में किया था। वहीं ब्रिटेन और जर्मनी जैसे कई देशों में पहले विश्व युद्ध के समय इस सिस्टम को अपनाया गया।

दो करोड़ रुपए की कीमत में नीलाम हो रहा ये टेक्सट मैसेज

बीते समय में हमें एक दूसरे से बात करने के लिए पत्र या चिट्ठी का सहारा लेना पड़ता था। जिसमें काफी समय लग जाता था, लेकिन वर्तमान में सिर्फ कुछ ही सेकंड में मैसेज दुनिया के किसी भी कोने में पहुंच जाता है। इस मैसेज के लिए आपको अधिक रुपय खर्च करने की जरूरत नहीं होती, लेकिन आपसे कहा जाए कि एक मैसेज की कीमत करीब 2 करोड़ रुपए तक हो सकती है। शायद आप भी ऐसी बात सुनकर हैरान होंगे और आपके मन में यह प्रश्न उठेगा कि आखिर इस मैसेज में ऐसा क्या होगा? तो आपको बता दें कि, यह एक सामान्य मैसेज ही है लेकिन यह दुनिया का पहला मैसेज था। जिसे हाल ही में नीलाम किया जा रहा है और इसलिए इसकी कीमत इतनी अधिक है। दुनिया का पहला टेक्सट मैसेज वोडाफोन के ब्रिटिश प्रोगामर नील पापवोर्थ ने अपने सहकर्मी रिचर्ड जारविस को भेजा था। ब्रिटिश प्रोगामर नील पापवोर्थ ने यह मैसेज 29 साल पहले 3 दिसंबर 1992 को भेजा था। नील पापवोर्थ ने रिचर्ड को ये मैसेज ऑर्बिटल 901 हैंडसेट पर भेजा था। जिसमें उन्होंने अपने सहकर्मी को टेक्सट मैसेज करते हुए क्रिसमस की शुभकामनाएं दी थीं। हाल ही में ब्रिटेन स्थित वोडाफोन कंपनी ने जानकारी दी है कि अब दुनिया के पहले टेक्सट मैसेज की नीलामी होने जा रही है। आप को जानकर हैरानी होगी की इस टेक्सट मैसेज के लिए 1 करोड़ 71 लाख तक की बोली लगाई जा सकती है। नील पापवोर्थ ने साल 2017 में एक कार्यक्रम के दौरान इसके बारे में कहा था कि जब उन्होंने इस एसएमएस को भेजा था तब ये नहीं सोचा था कि ये इतना फेमस हो जाएगा। उन्होंने बच्चों को जानकारी दी थी कि उन्होंने दुनिया का पहला एसएमएस भेजा था। कंपनी की तरफ से कहा गया है कि नीलामी से जो भी कमाई होगी उसको यूएनएचसीआर-यूएन रिफ्यूजी एजेंसी को दे दिया जाएगा। सबसे बड़ी बात यह है कि साल 1992 में पहला एसएमएस भेजा गया था। साल 1995 तक सिर्फ 0.4 प्रतिशत लोग ही औसतन हर महीने एसएमएस भेजते थे। इलेकिन अब तो लोग ज्यादातर बात एसएमएस पर भी कर लेते हैं, क्योंकि लोगों के पास इस भागदौड़ भरी जिंदगी में एक दूसरे से मिलने का समय कम ही मिलता है।

अयोध्या : सड़क हादसे में तीन छात्राओं की मौत, एक जख्मी

छात्राओं के ऊपर पलट गया था ट्रक, सरकार ने मुआवजे का किया ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। आज सुबह एक भीषण सड़क हादसे में तीन छात्राओं की मौत से कोहराम मच गया। तीनों छात्राएं आर्य कन्या इंटर कॉलेज में पढ़ने जा रही थी। बताया जा रहा है कि एक तेज रफ्तार ट्रक डिवाइडर से टकराकर हाईवे पर पलट गया। ट्रक के नीचे चार छात्राएं आ गई जिसमें तीन छात्राओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक घायल छात्रा को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना थाना कैंट के सहादत गंज की है। जानकारी के मुताबिक एक तेज रफ्तार ट्रक डिवाइडर से टकराकर हाईवे पर पलट गया। इस दौरान स्कूल जा रही चार छात्राएं ट्रक की चपेट में आ गई। हादसे में तीन छात्राओं की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक की हालत नाजुक बनी हुई है। जिसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए क्षतिग्रस्त ट्रक को जब्त कर लिया है।

इधर, तीन छात्राओं की मौत से मृतकों के घर में कोहराम मचा हुआ है। इस हादसे पर यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ-अयोध्या हाईवे पर आज तड़के हुए दर्दनाक सड़क हादसे पर दुख व्यक्त किया है।

उन्होंने मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रूपए की आर्थिक सहायता और घायलों को 50 हजार रुपए देने की घोषणा की है। सीएम योगी ने वरिष्ठ अधिकारियों को घटनास्थल पर रह कर पीड़ितों की हरसंभव सहायता करने के निर्देश दिए हैं।

जमीन के विवाद में छोटे भाई को उतारा मौत के घाट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। जिला पुरामुफ्ती थाना क्षेत्र में जमीन के विवाद में एक व्यक्ति ने अपने छोटे भाई की हतया कर दी। उसने अपने भाई पर कुल्हाड़ी से वार कर उसे मौत की नींद सुला दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गया। पुलिस ने जांच-पड़ताल की। आरोपी की तलाश की जा रही है।

पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के मंदिरी गांव में गुरुवार देर रात कल्लू ने अपने छोटे भाई फूलचंद को कुल्हाड़ी मारकर मौत के घाट उतार दिया। 30 वर्षीय फूलचंद्र पुत्र स्वर्गीय मिठाई लाल पासी को उसके सगे बड़े भाई कल्लू ने कुल्हाड़ी से सिर पर वार कर दिया, इससे फूलचंद की मौके पर ही मौत हो गई है। मृतक फूलचंद्र समेत चार भाई थे। चारों मौजूदा समय में अलग-अलग रह रहे थे। मां-बाप की मृत्यु हो चुकी है। चारों की सामूहिक पांच बिस्वा जमीन थी। इस जमीन को फूलचंद्र ने दो वर्ष पहले मां के इलाज के लिए गिरवी रख दिया था। मां फूलचंद के साथ ही रहती थी। फूलचंद्र की मां का निधन हो गया। मां की मौत के बाद गिरवी रखी जमीन को छुड़ाने के लिए फूलचंद सभी भाइयों से पैसा मांगता था। इसी बात को लेकर गुरुवार की रात में उसका कल्लू से विवाद हो गया। बात बढ़ी तो कल्लू ने वहीं रखी कुल्हाड़ी से फूलचंद्र पर प्रहार कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

दबाव बनाना हरीश का पुराना तरीका : हरक

कैबिनेट मंत्री ने वरिष्ठ कांग्रेसी नेता पर कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। कैबिनेट मंत्री डॉ. हरक सिंह रावत ने कहा कि दबाव बनाना हरीश रावत का पुराना तरीका है। हरिद्वार में हरकी पौड़ी में भी हरीश रावत ने कहा था कि मैं चुनाव नहीं लड़ूंगा, लेकिन उन्होंने चुनाव लड़ा। केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री रहे। सोशल मीडिया में तैर रहे एक वीडियो में हरक ने हरीश रावत के ट्वीट को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा कि मुझे लगता है कि हरीश रावत व उनके समर्थक शुरू से यह चाहते थे कि कांग्रेस मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करे।

उन्होंने कहा कि प्रभारी देवेंद्र यादव व राष्ट्रीय नेतृत्व की ओर से बयान आया कि कांग्रेस सामूहिक नेतृत्व में चुनाव लड़ेगी। मुझे लगता है कि कहीं न कहीं, कांग्रेस में विरोधी धड़ा इस बात को लेकर आक्रामक रहता है। हरीश रावत को लग रहा है कांग्रेस की सरकार आ गई तो पार्टी उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाएगी। वह चुनाव

से ठीक पहले इस तरह का दबाव बना रहे हैं। ये उनका पुराना तरीका है। हरक ने कहा कि मुझे याद है जब हरीश रावत प्रदेश अध्यक्ष थे। उन्होंने हरिद्वार हरकी पौडी में धरना दिया कि मैं इससे बाद कोई चुनाव नहीं लड़ूंगा। उसके बाद 2009 का लोकसभा चुनाव लड़े। 2014 में पत्नी को चुनाव लड़ाया। वे केंद्र में मंत्री रहे, मुख्यमंत्री रहे।

जल्द निकलेगा हल: गोदियाल

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के ट्वीट से मचे सियासी बवाल पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि हाईकमान ने सभी वरिष्ठ नेताओं को दिल्ली बुलाया है। वह गारंटी के साथ कहते हैं कि एक-दो दिन में इसकी सुखद परिणति होगी। हालांकि ट्वीट के बाद उपजे सवालों में कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल का दर्द भी छलक उठा। उन्होंने स्वीकार किया कि कांग्रेस संगठन को दुरुस्त करने की जरूरत है। बकौल गोदियाल, संगठन उन्हें विरासत में मिला, उनके अलावा वहां कोई बदलाव नहीं हुआ। हरीश रावत के व्यथित होने के सवाल पर गोदियाल ने कहा हरीश रावत ने जो बातें लिखीं, उन्हें ठीक कर लिया जाएगा। गोदियाल ने कहा कि वह कांग्रेस का मुख्य चेहरा हैं। उनको नाराज करके हम आगे नहीं बढ़ सकते हैं।

पंजाब को आतंकवाद के पुराने दौर में धकेलने का हो रहा प्रयास : शेखावत

» लुधियाना बम धमाके की जांच की उठायी मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। भाजपा नेता गजेंद्र शेखावत ने कहा कि आज पंजाब को एक बार फिर से आतंकवाद के पुराने दौर में धकेलने के प्रयास किए जा रहे हैं। पंजाब भ्रष्टाचार, नशाखोरी, माफिया और रेत माफिया वाला राज्य बन चुका है। जो राज्य कभी देश के खाद्यान्न भरने में नंबर एक था, अब देश के सबसे निचले पायदान पर पहुंच गया है। सचखंड श्री हरमंदिर साहिब में बेअदबी के प्रयास सहित बेअदबी के अन्य मामलों की तह तक जाने की भी आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि पंजाब सीमावर्ती राज्य होने के चलते राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अति महत्वपूर्ण है। साल 2017 के विधानसभा चुनाव से पहले एक पार्टी विशेष के नेताओं और चुनाव में उतरे प्रतिनिधियों के देश विरोधी तत्वों के साथ सूत्र जुड़े थे। इस बार चुनावों से पहले फिर वही कोशिश हो रही

है। सरकार को तब के सूत्रों को खंगालना चाहिए ताकि देश विरोधी तत्वों पर नकेल कसी जा सके। उन्होंने कहा कि पंजाब देश के खाद्यान्न भंडार देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जाना जाना था। देश की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) के मुताबिक कभी देश में नंबर एक पर था, जो 2000 में चौथे और आज 16वें स्थान पर पहुंच गया है। वृद्धि के दृष्टिकोण से देखा जाए तो देश की स्थिति में वर्तमान में पंजाब मणिपुर से ही ऊपर है। गौरतलब है कि लुधियाना में हुए धमाके में दो लोगों की मौत हो गयी है।

पायलट के गाने का वीडियो वायरल निकाले जा रहे सियासी मायने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। जयपुर में आयोजित एक चैरिटी कार्यक्रम में राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने शिरकत की थी। यहां पर उन्होंने एक गाना गाया जिसकी तारीफ खूब की जा रही है साथ ही साथ इसके सियासी मतलब भी निकाले जा रहे हैं।

पायलट ने सोमवार को जयपुर के अल्बर्ट हाल पर रोटरी क्लब की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में 1970 की मशहूर फिल्म मेरा नाम जोकर का प्रसिद्ध गाना जीना यहां, मरना यहां...गाया था। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ। इसके साथ ही यही गाना गाने को लेकर सियासी मतलब भी निकाले जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि यह गाना गाकर पायलट ने पार्टी नेतृत्व को संकेत दिए हैं। दरअसल, अटकलें चल रहीं हैं कि सचिन पायलट को पार्टी नेतृत्व राजस्थान से बाहर भेज सकता है जबकि पायलट ने एक कार्यक्रम में कहा था कि मैं 50 साल तक यहां से कहीं जाने वाला नहीं हूं। माना जा रहा है कि सोमवार को उन्होंने यह गाना गाकर अपनी उसी बात को पुष्ट किया है। वहीं, पार्टी की ओर से इस पर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

तो नौकरशाह ही डुबा रहे हैं भाजपा की लुटिया!

» अयोध्या में जमीन की लूट में जुटे अफसर-नेता

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चुनाव से पहले योगी सरकार बड़ी फजीहत हो रही है। राम मंदिर निर्माण के शुरू होते ही था लेकिन जब मंदिर निर्माण शुरू हुआ तो यहां जमीन लूटने वालों की बाढ़ आ गयी। इसमें भाजपा नेता, ट्रस्टी और अफसर शामिल हैं। खुलासे के बाद सरकार ने जिस अधिकारी को जांच दी गयी है वह मामले को रफा-दफा करने की कोशिश है। घोटाले दर घोटाले खुल रहे हैं। सवाल यह है कि नेता और अफसर भाजपा की लुटिया डुबाने में लगे हैं ऐसे कई सवाल उठे वरिष्ठ पत्रकार जय शंकर गुप्ता, उमाकांत लखेड़ा,

श्वेता आर रश्मि, अनिल रॉयल, अमलेंदु उपाध्याय, अजय शुक्ला, आप प्रवक्ता वैभव माहेश्वरी, कांग्रेस की प्रवक्ता सृष्टि कश्यप और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के बीच चली लंबी परिचर्चा में। अमलेंदु उपाध्याय ने कहा, भाजपा के लिए भगवान राम आस्था नहीं बल्कि व्यापार और राजनीति का मुद् दा था। अब इसमें भ्रष्टाचार शामिल हो गया। अनिल रॉयल ने कहा, अफसरों की लूट नयी नहीं है। जमीन की लूट पर कुछ होगा इसकी उम्मीद कम हैं। श्वेता आर रश्मि ने कहा, इनको राम मंदिर से लेना देना नहीं है। इनकी राम के नाम पर लूट की मंशा रही है। उमाकांत लखेड़ा ने कहा, आडंबर और झूठ फैलाने में भाजपा सबसे आगे हैं। सवाल यह है कि क्या सब सीएम की सहमति से हो रहा है। जयशंकर गुप्ता ने कहा, मंदिर निर्माण में अब तक कई घोटाले उजागर हो गए। यदि सीएम को पता नहीं है तो उन्हें त्याग पत्र दे देना चाहिए। वैभव माहेश्वरी ने कहा, कोरोना काल में जमकर घोटाले किए गए। सीएम यदि ईमानदार है तो वे अक्षम है। सृष्टि कश्यप ने कहा, ऐसा नहीं हो सकता है कि इतना बड़ा घोटाला हो जाए और मुख्यमंत्री को पता ही नहीं हो। अजय शुक्ला ने कहा, सरकार में इतने ईमानदार है कि उन लोगों ने क्या-क्या खरीद लिया है पता ही नहीं। जनता का पैसा जन प्रतिनिधि लूट रहे हैं।

इत्र कारोबारी को लेकर सपा का भाजपा पर हमला, कहा झूठ न फैलाएं संबित

कारोबारी से सपा का कोई लेना-देना नहीं, संबित पात्रा को पत्र के साथ भेजा समाजवादी इत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कर चोरी की आशंका में जीएसटी इंटेलिजेंस महानिदेशालय की टीम ने कानपुर के कारोबारी पीयूष जैन के यहां डेरा डाल रखा है। इत्र कारोबारी पीयूष जैन के आनंदपुरी स्थित आवास पर दूसरे दिन भी आयकर विभाग की टीम की जांच जारी है। आयकर विभाग की टीम सुबह उनके बेटे प्रियांश जैन को अपने साथ ले गई। वहीं छापेमारी के बाद भाजपा और सपा में जंग शुरू हो गई है।

भाजपा नेता व राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने जहां समाजवादी इत्र के नाम पर सपा पर निशाना साधा है तो वहीं सपा नेता आशीष यादव ने पलटवार करते हुए कहा कि कानपुर में पड़े कारोबारी के यहां इनकम टैक्स के छापे का सपा से कोई लेना देना नहीं है, और न हीं समाजवादी इत्र बनाने वालों से इनका कोई नाता है। आप

झूठ भ्रम और नफरत की दुर्गंध ना फैलाएं इसलिए आप को असली समाजवादी इत्र भेज रहे हैं। उन्होंने बाकायदा भाजपा नेता संबित पात्रा को पत्र के साथ समाजवादी इत्र भेजा है कि बेवजह के आरोप लगाना भाजपा बंद करें। वहीं दूसरी ओर इत्र कारोबारी पीयूष जैन के आनंदपुरी स्थित आवास पर आयकर विभाग की टीम सुबह उनके बेटे को अपने साथ ले गई। वहीं, वित्त मंत्रालय सीजीएसटी एवं केंद्रीय उत्पाद शुल्क की प्लेट लगी कार से एक महिला अधिकारी और आयकर विभाग के संयुक्त निदेशक विजयानंद भारतीय भी कारोबारी के घर पहुंचे, लेकिन अंदर अधिकारियों से बात करके कुछ ही देर में विजयानंद वापस चले गए। इंटरनेट मीडिया पर कुछ फोटो सामने आई हैं जहां कर्मचारी नोटों को गिन रहे हैं। हालांकि यह फोटो छापे की हैं इसकी पुष्टि अभी वायरल फोटो के आधार पर है। बताया जा रहा है कि छापेमारी में करोड़ों रुपए बरामद किए गए हैं। उसको देखते हुए ही बड़ी संख्या में बक्सों को लाया गया है। कहा जा रहा है आज शाम तक अधिकारिक पुष्टि हो जाएगी।

पीयूष जैन के घर के बाहर पीएसी तैनात

आनंदपुरी में रहने वाले इत्र कारोबारी पीयूष जैन के घर के बाहर सुरक्षा घेरा बढ़ाने के लिए एक बटालियन पीएसी तैनात कर दी गई है। सुबह से पीएसी की टीम घर के आगे तैनात है। जिस गली में इत्र कारोबारी का घर है उस गली से पूरे क्षेत्र के लोग निकलने से बच रहे हैं। हालांकि पूरे आनंदपुरी में सुबह से ही इत्र कारोबारी के घर पड़े छापे की चर्चा है और घर के सामने पार्क में लोग इस पर लगातार चर्चा कर रहे हैं। सुबह से लोडर में बक्सों को भरकर लाया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक अब तक करीब 50 बक्से यहां लाए जा चुके हैं। इसके अलावा नोट गिनने की एक मशीन सुबह भी लाई गई। बताया जा रहा है कि यह मशीन कल्याणपुर स्थित स्टेट

बैंक से लाई गई है। घर के अंदर गलियारे में पीएसी के जवान तैनात हैं और घर के मुख्य द्वार को अंदर से बंद करा हुआ है। बता दें कि डीजीजी आई ने पीयूष जैन के बेटे प्रियांश जैन को कस्टडी में ले लिया है।

वरिष्ठ नागरिकों को ट्रेन के किराये में मिलेगी छूट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कोरोना के कारण ट्रेनों में इस समय बेडरोल नहीं दिया जा रहा है, लेकिन बेडरोल आपूर्ति के लिए सभी रेल मंडल ने तैयारी पूरी कर ली है। खानपान की सुविधा भी ट्रेन में इस समय बंद है। ट्रेनें नियमित होने के बाद भी अब तक वरिष्ठ नागरिक सहित कई तरह की रियायत को पूर्व की तरह लागू नहीं किया जा सका है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव इसका अध्ययन कर रहे हैं। उम्मीद है कि वरिष्ठ नागरिक सहित कई तरह के रियायत की सुविधा जल्द शुरू होगी।

ये बातें रेलवे बोर्ड की यात्री सेवा समिति के अध्यक्ष रमेश चंद्र रत्न ने कही। वह समिति के सदस्यों के साथ लखनऊ जंक्शन का निरीक्षण कर रहे थे। यात्री सेवा समिति के अध्यक्ष ने बताया कि 28 दिसंबर को रेल मंत्रालय में एक महत्वपूर्ण बैठक होगी। बैठक में डबल डेकर ट्रेन का संचालन फिर से बहाल कर उसको जयपुर तक चलाने, पैसेंजर और लखनऊ-कानपुर के बीच मेमू ट्रेनों को पूरी क्षमता से चलाने, जनता एक्सप्रेस को कोहरे के नाम पर बंद किए जाने जैसे कई मुद्दों पर चर्चा होगी। समिति ने चारबाग स्टेशन पर भी यात्री सुविधाओं का जायजा लिया। यहां चारबाग स्टेशन को विश्वस्तरीय बनाने के प्रोजेक्ट की समीक्षा की। स्टेशन पर बेहतर यात्री सुविधा के लिए 20 हजार रुपये का पुरस्कार दिया। लखनऊ जंक्शन पर भी कमेटी ने यात्री रेस्त्रां, प्लेटफॉर्मों पर जलापूर्ति सहित कई सेवाओं को परखा।

पंजाब चुनाव: 2 लाख तक का किसानों का कर्ज माफ

» चन्नी सरकार ने किसानों को चुनाव से पहले दिया बड़ा तोहफा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पंजाब में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस सरकार ने किसानों को बड़ा तोहफा दिया है। मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने आज किसानों की कर्जमाफी का ऐलान किया है। उन्होंने बताया कि किसानों का 2 लाख रुपये

तक का कर्ज माफ किया जाएगा। साथ ही भूमिहीन मजदूरों के कर्ज भी माफ होंगे।

उन्होंने बताया कि पंजाब सरकार कर्जदार किसानों के खातों में 2 हजार करोड़ रुपये जमा करवाएगी। ये रकम अगले 10 से 15 दिन में पहुंच जाएगी। उन्होंने बताया कि सरकार ने श्री भगवत गीता और रामायण पर अध्ययन केंद्र स्थापित करने का भी फैसला किया है। ये अध्ययन केंद्र पटियाला में स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आजकल पंजाबी संगीत और फिल्म की विरासत को बचाने और उसे बढ़ावा देने के लिए एक फिल्म और टेलीविजन काउंसिल बनाने का फैसला लिया गया है, जिसका गठन 10 दिनों के भीतर कर दिया जाएगा। शिरोमणि अकाली दल के नेता बिक्रम मजीठिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने को राजनीति से प्रेरित होने के आरोपों को सीएम चन्नी ने खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि मामला राजनीति से प्रेरित नहीं है और ना ही इसके पीछे कांग्रेस है। ये मामला साल 2013 में सामने आए सिंथेटिक ड्रग तस्करी के मामले के आधार पर दर्ज किया गया है।

फोटो: 4पीएम

नमन भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की जयंती की पूर्व संध्या पर राजधानी के 857 पार्कों में सिविल एवं उद्यानिक कार्यों का शिलान्यास किया गया। इस मौके पर मंत्री आशुतोष टण्डन, बृजेश पाठक, स्वाती सिंह व मेयर संयुक्ता भाटिया ने अटलजी के चित्र पर पुष्प अर्पित किया।

फोटो: 4पीएम

प्रदर्शन उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन के कर्मचारियों ने आज अपनी मांगों को लेकर विधानसभा के सामने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों को पुलिस को काबू करना पड़ा। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने कई कर्मचारियों को हिरासत में भी लिया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।